महालक्ष्मी महाविद्या कमला का ही स्वरूप हैं, साधक का सौभाग्य जाग्रत होता है जब वह सद्गुरुदेव से महाविद्या कमला दीक्षा प्राप्त करता है। महाविद्या कमला साधक को सांसारिक सुख तो प्रदान करती ही हैं साथ ही साथ परालौकिकता का भी अभ्युदय होता है।

तंत्र शास्त्रों में महालक्ष्मी की पूजा महाविद्या कमला स्वरूप में ही की जाती है और लक्ष्मी से सम्बन्धित तंत्र को कमला तंत्र कहा जाता है। भगवती कमला अर्थ की अधिष्ठात्री देवी हैं। जो भौतिक सुख के इच्छुक होते हैं, उनके लिए कमला महाविद्या सिद्धि सर्वश्रेष्ठ है। कमला सर्व शक्ति प्रदायक हैं, क्योंकि कीर्ति, मति, द्युति, पुष्टि, बल, मेधा, श्रद्धा, आरोग्य, विजय आदि दैवीय शक्तियां कमला महाविद्या की अभिन्न सहयोगिनी देवियां हैं।

सद्गुरु शक्तिपात और महाविद्या साधना रहस्य -

प्रत्येक साधक साधना अवश्य ही सम्पन्न करता है पर उसे साधना का उचित परिणाम, उचित समय पर नहीं मिल पाता है और जब साधक सद्गुरुदेव से शक्तिपात प्राप्त कर साधना सम्पन्न करता है तो वह साधना फलितार्थ होती है इसीलिये शास्त्रों में गुरु द्वारा प्रदान किये गये शक्तिपात को उच्चतम् स्थान दिया गया है। शक्तिपात के माध्यम सद्गुरु शिष्य की चेतना को जाग्रत कर देते है जिससे वह दैवीय कृपा, शक्ति को ग्रहण कर सकता है।

शक्तिपात युक्त कमला महाविद्या साधना करने से -

- साधक का अपने कार्य के प्रति समर्पण बढ़ जाता है, उसके मान-सम्मान में भी वृद्धि होती है।
- नई तकनीक और नये कार्यों के प्रति रुचि बढ़ती है, आय के नये-नये स्रोत उत्पन्न होते है, जीवन में नवीनता का उदय होता है।
- साधक के विचारों, भावनाओं, चेतना में सकारात्मकता का उदय होता है।
- साधक के जीवन स्तर, स्वास्थ्य और धन में निरन्तर वृद्धि होती है।

महाविद्या कमला दीक्षा न्यौ. (प्रति चरण) - 3100/-